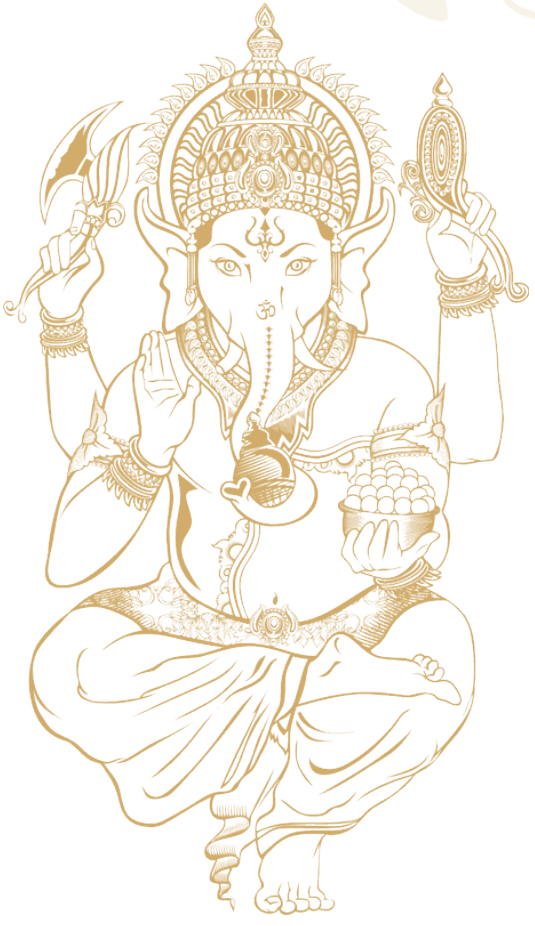

Miss prisha

02 Nov 2021

06:41 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120370920

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/11/2021**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**06:41:00 घंटे**
इष्ट	59:45:37 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:03:32 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	08:49:41 घंटे
सूर्योदय	06:46:45 घंटे
सूर्यास्त	17:55:15 घंटे
दिनमान	11:08:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:40:18 तुला
लग्न के अंश	13:30:22 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:30:22	314:41:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	15:40:18	01:00:04	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			कन्या	07:01:08	14:06:59	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	तुला	07:29:22	00:40:21	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध			कन्या	29:47:50	01:30:31	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			मक	28:32:17	00:02:57	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			धनु	02:33:59	00:58:36	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			मक	13:07:26	00:02:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		वृष	07:42:12	00:02:58	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	07:42:12	00:02:58	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	18:44:53	00:02:29	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
नेप	व		कुंभ	26:29:02	00:00:56	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
प्लूटो			मक	00:19:35	00:00:46	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कर्क	15:49:01	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:27

लग्न-चलित

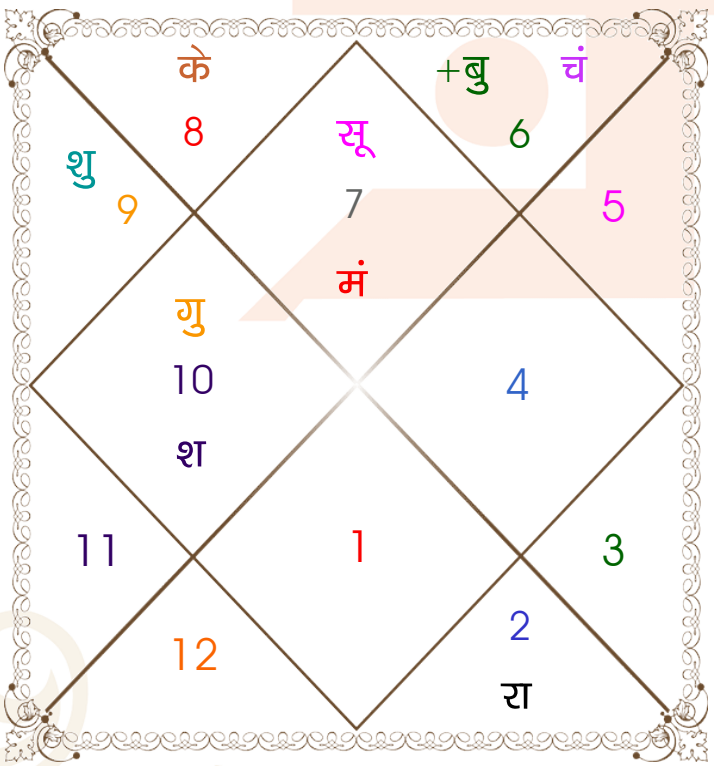

चन्द्र कुंडली

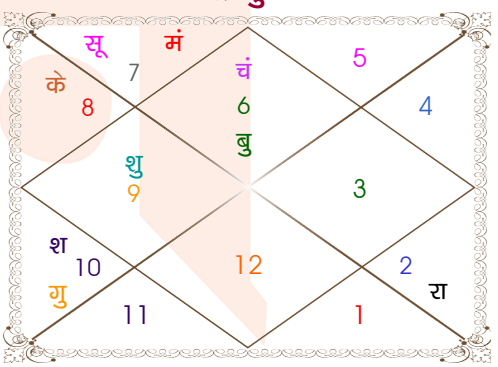

नवमांश कुंडली

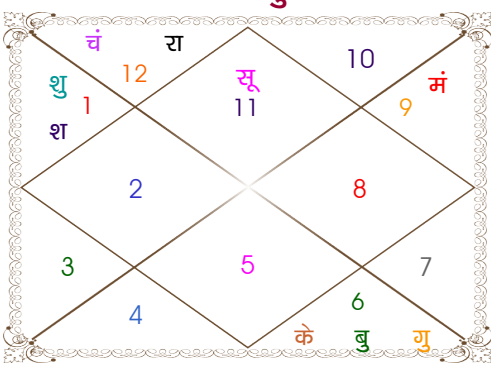

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 4 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/11/2021		07/03/2023		06/03/2033		06/03/2040		07/03/2058	
07/03/2023		06/03/2033		06/03/2040		07/03/2058		07/03/2074	
	00/00/0000	चंद्र	05/01/2024	मंगल	02/08/2033	राहु	17/11/2042	गुरु	24/04/2060
	00/00/0000	मंगल	05/08/2024	राहु	21/08/2034	गुरु	12/04/2045	शनि	05/11/2062
	00/00/0000	राहु	04/02/2026	गुरु	28/07/2035	शनि	17/02/2048	बुध	10/02/2065
	00/00/0000	गुरु	06/06/2027	शनि	05/09/2036	बुध	05/09/2050	केतु	17/01/2066
	00/00/0000	शनि	04/01/2029	बुध	02/09/2037	केतु	24/09/2051	शुक्र	17/09/2068
	00/00/0000	बुध	06/06/2030	केतु	29/01/2038	शुक्र	23/09/2054	सूर्य	06/07/2069
	02/11/2021	केतु	05/01/2031	शुक्र	31/03/2039	सूर्य	18/08/2055	चंद्र	05/11/2070
केतु	07/03/2022	शुक्र	05/09/2032	सूर्य	06/08/2039	चंद्र	16/02/2057	मंगल	12/10/2071
शुक्र	07/03/2023	सूर्य	06/03/2033	चंद्र	06/03/2040	मंगल	07/03/2058	राहु	07/03/2074

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
07/03/2074		06/03/2093		08/03/2110		07/03/2117		07/03/2137	
06/03/2093		08/03/2110		07/03/2117		07/03/2137		00/00/0000	
शनि	09/03/2077	बुध	03/08/2095	केतु	04/08/2110	शुक्र	07/07/2120	सूर्य	25/06/2137
बुध	17/11/2079	केतु	30/07/2096	शुक्र	04/10/2111	सूर्य	07/07/2121	चंद्र	24/12/2137
केतु	26/12/2080	शुक्र	31/05/2099	सूर्य	09/02/2112	चंद्र	08/03/2123	मंगल	01/05/2138
शुक्र	26/02/2084	सूर्य	06/04/2100	चंद्र	09/09/2112	मंगल	07/05/2124	राहु	26/03/2139
सूर्य	07/02/2085	चंद्र	06/09/2101	मंगल	05/02/2113	राहु	08/05/2127	गुरु	12/01/2140
चंद्र	08/09/2086	मंगल	03/09/2102	राहु	23/02/2114	गुरु	06/01/2130	शनि	24/12/2140
मंगल	18/10/2087	राहु	22/03/2105	गुरु	30/01/2115	शनि	07/03/2133	बुध	31/10/2141
राहु	24/08/2090	गुरु	28/06/2107	शनि	10/03/2116	बुध	06/01/2136	केतु	03/11/2141
गुरु	06/03/2093	शनि	08/03/2110	बुध	07/03/2117	केतु	07/03/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 3 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।